सटीक नजर-सबकी खबर

INDIA TIMER

इंडिया टाइमर

इंडिया टाइमर
में विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें।
मोबाइल : 9050007221 9467504707

www.indiatimer.com indiatimer1@gmail.com indiatimer1 वर्ष : 12 || अंक : 1 || जीन्द, 25 जुलाई 2025 || पृष्ठ : 4 || मूल्य : 3 रुपए INDIATIMER @indiatimer1

शिक्षा मंत्री ने सीआरएसयू के शिक्षा सफर को बताया सशक्त

विकसित भारत के सपने को साकार करने में सीआरएसयू निभाएगा अग्रणी भूमिका : ढ़ांडा

संजय शर्मा

जींद,(इंडिया टाइमर): 500 छात्रों के साथ 2014 में अस्तित्व में आये जींद के चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय यानी सीआरएसयू अपने शिक्षा के सफर को सींचते हुए 5 हजार के आंकड़े पर पहुंच गया है। महज 4 शिक्षकों और 7 विभागों के साथ शुरू हुए सीआरएसयू में अब 28 विभाग बच्चों के भविष्य को उड़ान दे रहे है। गुरूवार को सीआरएसयू के 12वें स्थापना दिवस के अवसर पर भव्य समारोह का आयोजन किया। इस अवसर पर प्रदेश के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। समारोह की शुरुआत विश्वविद्यालय परिसर में चौधरी रणबीर सिंह की प्रतिमा एवं शहीद कैप्टन पवन कुमार स्मारक पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी गई। इसके बाद पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि ने दीप प्रज्वलन कर समारोह का शुभारंभ किया। विश्वविद्यालय कुलगुरु प्रो. (डॉ.) राम पाल सैनी ने मुख्य अतिथि को पुष्पगुच्छ देकर उनका अभिनंदन किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की यात्रा (2014-2025) पर आधारित यूनिवर्सिटी डॉक्यूमेंट्री की प्रस्तुति विश्वविद्यालय जनसंपर्क निदेशालय द्वारा प्रस्तुत की गई। शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने कहा कि जींद की पावन धरा पर उपस्थित होना मेरे लिए गर्व और सम्मान की बात है। स्थापना दिवस केवल किसी संस्थान की शुरुआत का उत्सव नहीं, बल्कि उसकी उपलब्धियों पर विचार करने और उज्ज्वल भविष्य के लिए दिशा तय करने का अवसर है। हरियाणा के शिक्षा मंत्री के रूप में मुझे इस बात पर गर्व है कि यह विश्वविद्यालय युवाओं के भविष्य को संवारने और राष्ट्र एवं प्रदेश की प्रगति में योगदान देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। जींद शिक्षा, संस्कृति, खेल, विज्ञान और परंपरा का जीवंत उदाहरण है। आने वाले समय में भारत सरकार और हरियाणा सरकार जैसी शिक्षा व्यवस्था की कल्पना कर रही हैं, उसमें यह विश्वविद्यालय प्रो. रामपाल सैनी के नेतृत्व में एक अग्रणी भूमिका निभाएगा। यह संस्थान शोध के क्षेत्र में वैश्विक स्तर की समस्याओं का समाधान प्रस्तुत करने वाली संस्था बनकर उभरेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लागू की गई नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भारत की शिक्षा प्रणाली को पुनर्परिभाषित कर रही है, और मुझे पूरा विश्वास है कि यह विश्वविद्यालय इस परिवर्तन की दिशा में एक सशक्त भागीदार बनेगा। विकसित भारत 2047 के सपने को साकार करने में सी आर एस यू निभाएगा। कुलगुरु प्रो. राम पाल सैनी ने अपने संबोधन में कहा कि वर्ष 2014 में इस विश्वविद्यालय के रूप में लगाया गया यह पौधा निरंतर प्रगति कर रहा है। विश्वविद्यालय 2014 में अस्तित्व में आया था। उस समय यहाँ केवल 7 डिपार्टमेंट और केवल 4 शिक्षक थे । वर्तमान समय में विश्वविद्यालय में 28 विभाग और 44 प्रोग्राम है जिसमें पाँच में शोध कार्यक्रम संचालित है। 2014 में 500 विद्यार्थी से शुरुआत हुई थी अब 5 हजार से भी ज्यादा विद्यार्थी यहाँ उच्च शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं और जिसमें 70 प्रतिशत से ज़्यादा छात्राएँ संस्थान से ज्ञान अर्जित कर रही है । विश्वविद्यालय के अंतर्गत कुल 156 महाविद्यालय हैं जिसमें से 138 एजुकेशन कॉलेज और 18 डिग्री कॉलेज हैं जिनमें 35 हजार विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहें हैं। हमारे शिक्षकों एवं शोधार्थियों के द्वारा लिखे गए विभिन्न शोध पत्र अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय शोध प्रकाशनों में प्रकाशित हुए है। शिक्षकों ने 10 पेटेंट्स भी फाइल किए हैं । हमारे विश्वविद्यालय की प्राध्यापिका को 30 लाख रुपये की ग्रांट भारत सरकार से प्राप्त हुई है एवं उनका नाम विश्व के 2 प्रतिशत साइंटिस्ट की सूची में है । विश्वविद्यालय खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में चौथे नंबर पर रहा और हरियाणा राज्य में तीसरा स्थान प्राप्त किया। खिलाड़ियों ने पाँच बीम अवार्ड और एक अर्जुन अवार्ड अपने नाम किए हैं। युवा एवं सांस्कृतिक विभाग निदेशालय विद्यार्थियों को हरियाणा की सांस्कृतिक एवं ज्ञान परंपरा से रूबरू करवाने के लिए समय समय पर विभिन्न प्रतिस्पर्धाओं का आयोजन करता रहा है। 200 से अधिक विद्यार्थियों का चयन राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय कंपनियों में हुआ है। देश में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 लागू की गई। हमने हरियाणा प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा के नेतृत्व में इस शिक्षा नीति को हू-ब-हू अमल में लाकर हमारे शिक्षण संस्थान को अग्रणी भूमिका में रखा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए विश्वविद्यालय में उच्च स्तर की प्रयोगशालाएं, इनोवेशन सेंटर, इक्यूबेशन सेंटर स्थापित कर रहे हैं। इसके बाद छात्राओं द्वारा एकल एवं समूह नृत्य प्रस्तुति दी गई एवं विश्वविद्यालय के विकास में सहभागिता करने वाले विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं गैर शिक्षक कर्मचारियों को माननीय शिक्षा मंत्री द्वारा पुरस्कृत किया गया।

विश्वविद्यालय के 12वें स्थापना दिवस समारोह में पहुंचे हजारों छात्र

वीसी प्रो. रामपाल सैनी के नेतृत्व में विश्वविद्यालय बढ़ेगा आगे : शिक्षा मंत्री

पंजाब केसरी
FRI,25 JULY 2025
EDITION: JIND KESARI, PAGE NO. 3

विकसित भारत-2047 के सपने को साकार करने में अहम भूमिका निभाएगा सी.आर.एस.यू. : शिक्षा मंत्री

सी.आर.एस.यू. ने मनाया 12वां स्थापना दिवस

स्थापना दिवस कार्यक्रम में मौजूद शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा।

जींद, 24 जुलाई (ललित) : चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय (सी.आर.एस.यू.) ने वीरवार को अपने 12वें स्थापना दिवस के अवसर पर भव्य समारोह का आयोजन किया। इसमें शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। समारोह की शुरूआत विश्वविद्यालय परिसर में चौधरी रणबीर सिंह की प्रतिमा एवं शहीद कैप्टन पवन कुमार स्मारक पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी गई। इसके बाद पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन हुआ।

मुख्य कार्यक्रम शैक्षणिक भवन -सी.वी. रमन सभागार में हुआ, जिसकी शुरूआत दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना से हुई। विश्वविद्यालय कुलगीत की प्रस्तुति के उपरांत कुलगुरु प्रो. (डॉ.) राम पाल सैनी ने मुख्यातिथि को पुष्पगुच्छ देकर उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की यात्रा (2014-2025) पर आधारित यूनिवर्सिटी डॉक्यूमैंट्री की प्रस्तुति विश्वविद्यालय जनसंपर्क निदेशालय द्वारा प्रस्तुत की गई। मुख्यातिथि महिपाल ढांडा ने कहा कि स्थापना दिवस केवल किसी संस्थान की शुरूआत का उत्सव नहीं, बल्कि उसकी उपलब्धियों पर विचार करने और उज्ज्वल भविष्य के लिए दिशा तय करने का अवसर है। हरियाणा के शिक्षा मंत्री के रूप में मुझे इस बात पर गर्व है कि यह विश्वविद्यालय युवाओं के भविष्य को संवारने और राष्ट्र एवं प्रदेश की प्रगति में योगदान देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

सी.आर.एस.यू. जींद शिक्षा, संस्कृति, खेल, विज्ञान और परंपरा का जीवंत उदाहरण है। आने वाले समय में भारत सरकार और हरियाणा सरकार जैसी शिक्षा व्यवस्था की कल्पना कर रही हैं, उसमें यह विश्वविद्यालय प्रो. रामपाल सैनी के नेतृत्व में एक अग्रणी भूमिका निभाएगा। यह संस्थान शोध के क्षेत्र में वैश्विक स्तर की समस्याओं का समाधान प्रस्तुत करने वाली संस्था बनकर उभरेगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लागू की गई नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एन.ई.पी.) 2020 भारत की शिक्षा प्रणाली को पुनर्परिभाषित कर रही है और मुझे पूरा विश्वास है कि यह विश्वविद्यालय इस परिवर्तन की दिशा में एक सशक्त भागीदार बनेगा।

कुलगुरु प्रो. (डॉ.) राम पाल सैनी ने अपने संबोधन में कहा कि वर्ष 2014 में इस विश्वविद्यालय के रूप में लगाया गया यह पौधा निरंतर प्रगति कर रहा है। विश्वविद्यालय 2014 में स्थापित हुआ उस समय यहां 7 डिपार्टमैंट और केवल 4 शिक्षक थे। वर्तमान समय में विश्वविद्यालय में 28 विभाग और 44 प्रोग्राम हैं जिसमें 5 में शोध कार्यक्रम संचालित हैं। 2014 में 500 विद्यार्थी से हुई शुरूआत, अब 5000 से भी ज्यादा विद्यार्थी यहां उच्च शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं और जिसमें 70 प्रतिशत से ज्यादा छात्राएं संस्थान से ज्ञान अर्जित कर रही हैं।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के अंतर्गत कुल 156 महाविद्यालय हैं जिसमें से 138 एजुकेशन कॉलेज और 18 डिग्री कॉलेज हैं जिनमें 35 हजार विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। हमारे शिक्षकों एवं शोधार्थियों द्वारा लिखे गए विभिन्न शोध पत्र अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय शोध प्रकाशनों में प्रकाशित हुए हैं। हमारे शिक्षकों ने 10 पेटेंट्स भी फाइल किए हैं। हमारे विश्वविद्यालय की प्राध्यापिका को 30 लाख रुपए की ग्रांट भारत सरकार से प्राप्त हुई है एवं उनका नाम विश्व के 2 प्रतिशत साइंटिस्ट की सूची में है।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में चौथे नंबर पर रहा और हरियाणा राज्य में तीसरा स्थान प्राप्त किया। हमारे खिलाड़ियों ने 5 भीम अवार्ड और एक अर्जुन अवार्ड अपने नाम किए हैं। हमारा युवा एवं सांस्कृतिक विभाग निदेशालय विद्यार्थियों को हरियाणा की सांस्कृतिक एवं ज्ञान परंपरा से रू-ब-रू करवाने के लिए समय-समय पर विभिन्न प्रतिस्पर्धाओं का आयोजन करता रहा है। हमारे 200 से अधिक विद्यार्थियों का चयन राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय कंपनियों में हुआ है।

जॉब सुरक्षा पत्र को लेकर कर्मचारियों ने सौंपा मांग पत्र

चौधरी रणबीर विश्वविद्यालय जींद की स्थापना दिवस के मौके पर मुख्यातिथि के रूप में पहुंचे शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा को सी.आर.एस.यू. में हरियाणा कौशल रोजगार निगम के तहत लगे कर्मचारियों ने अपनी समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में जॉब सुरक्षा पत्र को लेकर कर्मचारियों ने यह कहा कि हरियाणा सरकार ने अब तक किसी भी विश्वविद्यालय में जॉब सुरक्षा पत्र जारी करने के आदेश नहीं दिए हैं। विश्वविद्यालय में कार्यरत एच.के.आर.एन. कर्मचारियों के भी जॉब सुरक्षा पत्र जल्द से जल्द जारी किए जाने चाहिएं।

कर्मचारियों ने यह भी सवाल उठाया कि अब तक कोई एस.ओ.पी. जारी नहीं की गई है, जो कर्मचारियों के कामकाजी हालातों को स्पष्ट कर सके। एस.ओ.पी. के जल्द जारी होने की आवश्यकता पर बल दिया जाए। इस मौके पर शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने आश्वासन देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय में कार्यरत कर्मचारियों को हरियाणा सरकार जल्द से जल्द जॉब सुरक्षा पत्र जारी किए जाएंगे, जिससे हरियाणा के विभिन्न विश्वविद्यालयों में कार्य कर रहे कर्मचारियों का भविष्य सुरक्षित हो सके।

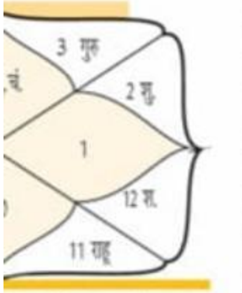

ाक । पर्व, दिवस तथा त्यौहार : श्रावण
ा छिन्नमस्तिका (माता चिंतपूर्णी),
ा माता नयना देवी (हिमाचल) प्रारम्भ।
नंद शांडिल्य ज्योतिष रिसर्च

अमर उजाला

Date: 25.07.2025

5 हजार छात्रों को शिक्षा दे रहा सीआरएसयू

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय ने 12वां स्थापना दिवस मनाया

संवाद न्यूज एजेंसी

जींद। चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में वीरवार को 12वां स्थापना दिवस मनाया गया। इसमें शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने शुरुआत में चौधरी रणबीर सिंह की प्रतिमा व शहीद कैप्टन पवन कुमार स्मारक पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी गई।

इसके बाद पौधरोपण किया। कुलपति प्रोफेसर डॉ. रामपाल सैनी और कुलसचिव प्रो. लवलीन मोहन ने मुख्यातिथि का स्वागत किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की यात्रा पर आधारित यूनिवर्सिटी डॉक्यूमेंट्री की प्रस्तुति दी गई।

सीआरएसयू में शिक्षा मंत्री ढांडा को सम्मानित करते कुलपति प्रो. रामपाल सैनी। स्रोत : विवि

शिक्षा मंत्री ढांडा ने कहा कि उसे इस बात पर गर्व है कि यह विश्वविद्यालय युवाओं के भविष्य को संवारने और राष्ट्र एवं प्रदेश की प्रगति में योगदान देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। जींद शिक्षा, संस्कृति, खेल, विज्ञान और परंपरा का जीवंत उदाहरण है।

आने वाले समय में भारत और हरियाणा सरकार जैसी शिक्षा व्यवस्था की कल्पना कर रही हैं उसमें यह विश्वविद्यालय प्रो. रामपाल सैनी के नेतृत्व में एक अग्रणी भूमिका निभाएगा। विवि के विकास में सहभागिता करने वाले विद्यार्थियों, शिक्षकों व गैर शिक्षक कर्मचारियों को पुरस्कृत किया गया।

जागरण

Date: 25.07.2025

कोई इफ, बट, किंतू-परंतु नहीं चलेगा, हर प्रोफेसर से रिजल्ट चाहिए : शिक्षा मंत्री

- सीआरएसयू के 12वें स्थापना दिवस पर मुख्यातिथि के तौर पर पहुंचे शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा
- बोले- शौचालय से लेकर क्लासरूम, लाइब्रेरी, कार्यालय हर चीज परफेक्ट होनी चाहिए

सीआरएसयू में सराहनीय कार्य करने पर स्टाफ को सम्मानित करते महिपाल ढांडा, साथ में वीसी प्रो. रामपाल सैनी। • सौ. विवि

जागरण संवाददाता • जींद : चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के 12वें स्थापना दिवस पर वीरवार को आयोजित समारोह में मुख्यातिथि के तौर पर शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा पहुंचे। अपने संबोधन में शिक्षा मंत्री ने कहा कि हर अभिभावक चाहता है, वे जहां पढ़ते हैं, वहां अच्छे भवन, अच्छा स्टाफ मिले। इसके लिए वे चिंतन- मंथन करने के लिए हर विश्वविद्यालय में जाएंगे। इसकी शुरुआत सोमवार को गुरुग्राम विश्वविद्यालय से शुरू करेंगे। हर विश्वविद्यालय में चार से पांच घंटे लगाएंगे। अगर विश्वविद्यालय में किसी तरह की कोई कमी है, तो उसको दूर कर लें।

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में प्रोफेसर रामपाल सैनी को वीसी के तौर पर सोच समझकर भेजा है। कार्यक्रम में उपस्थित विश्वविद्यालय स्टाफ से मंत्री ने कहा कि वे पहले ही कह रहे हैं, शौचालय से लेकर क्लासरूम, लाइब्रेरी, कार्यालय हर चीज परफेक्ट होनी चाहिए। जिस दिन उनका इस विश्वविद्यालय के निरीक्षण का नंबर आएगा, हर प्रोफेसर का रिजल्ट चाहिए, पहले वाले सब मामले समाप्त। इफ, बट, किंतू नहीं चलेगा। ऐसा ही चलेगा, कहने वालों को चलता करना है। ऐसे लोगों को बख्शने का कोई मूड नहीं है। विश्वविद्यालय में नियमित भर्तियों के सवाल पर मंत्री ने कहा कि नियमित स्टाफ है, इतना कह सकते हैं कि कुछ कमियां हैं और इन कमियों को दुरुस्त करने को लेकर वह आए हैं। वीसी और रजिस्ट्रार दोनों ही इन कमियों को दूर करने के प्रयास कर रहे हैं। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की यात्रा (2014-2025) पर आधारित डाक्यूमेंट्री की प्रस्तुति विश्वविद्यालय जनसंपर्क निदेशालय द्वारा प्रस्तुत की गई। छात्राओं ने एकल एवं समूंह नृत्य प्रस्तुति दी। विश्वविद्यालय के विकास में सहभागिता करने वाले विद्यार्थियों, शिक्षकों व गैर शिक्षक कर्मचारियों को शिक्षा मंत्री ने पुरस्कृत किया। इस अवसर पर वीसी प्रोफेसर रामपाल सैनी, रजिस्ट्रार प्रोफेसर लवलीन मोहन, भाजपा जिलाध्यक्ष एडवोकेट तिजेंद्र ढुल, भाजपा वरिष्ठ नेता जवाहर सैनी, संजय पंवार उपस्थित रहे।

सीआरएसयू देश और प्रदेश की प्रगति में देगा महत्वपूर्ण योगदान

शिक्षा मंत्री ने कहा कि स्थापना दिवस केवल किसी सस्थान की शुरुआत का उत्सव नहीं, बल्कि उसकी उपलब्धियों पर विचार करने और उज्ज्वल भविष्य के लिए दिशा तय करने का अवसर है। यह विश्वविद्यालय युवाओं के भविष्य को सवारने और राष्ट्र एव प्रदेश की प्रगति मे योगदान देने मे महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। ये विश्वविद्यालय शिक्षा, सस्कृति, खेल, विज्ञान और परपरा का जीवत उदाहरण है। आने वाले समय मे भारत सरकार और हरियाणा सरकार जैसी शिक्षा व्यवस्था की कल्पना कर रही है, उसमे यह विश्वविद्यालय वीसी प्रोफेसर रामपाल सैनी के नेतृत्व मे अग्रणी भूमिका निभाएगा। यह संस्थान शोध के क्षेत्र में वैश्विक स्तर की समस्याओं का समाधान प्रस्तुत करने वाली सस्था बनकर उभरेगा। प्रधानमत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लागू की गई नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति भारत की शिक्षा प्रणाली को पुनर्परिभाषित कर रही है। उन्हें पूरा विश्वास है कि यह विश्वविद्यालय इस परिवर्तन की दिशा मे एक सशक्त भागीदार बनेगा।

संस्थान में 70 प्रतिशत छात्राएं

वीसी प्रो. रामपाल सैनी ने कहा कि वर्ष 2014 मे विवि के रूप मे लगाया गया यह पौधा निरतर प्रगति कर रहा है। स्थापना के समय विश्वविद्यालय मे सात डिपार्टमेंट और केवल चार शिक्षक थे। अब विवि मे 28 विभाग और 44 प्रोग्राम है, जिसमे पाच मे शोध कार्यक्रम संचालित है। 2014 मे 500 विद्यार्थी से हुई शुरुआत, अब 5000 से भी ज्यादा विद्यार्थी यहां उच्च शिक्षा ग्रहण कर रहे है। जिसमें 70 प्रतिशत से ज़्यादा छात्राएं है। विश्वविद्यालय के अंतर्गत कुल 156 कालेज है, जिसमें से 138 एजुकेशन कालेज और 18 डिग्री कालेज है। जिनमें 35 हजार विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे है।

दैनिक ट्रिब्यून

Date: 25.07.2025

सीआरएसयू ने मनाया 12वां स्थापना दिवस/ शिक्षा मंत्री बोले

यूनिवर्सिटीज को जरूरी संसाधन उपलब्ध कराने को सरकार गंभीर

जींद (जुलाना), 24 जुलाई (हप्र)

हरियाणा के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने कहा कि प्रदेश सरकार सभी विश्वविद्यालयों को जरूरी संसाधन उपलब्ध करवाने को लेकर पूरी तरह से गंभीर है।

जींद के चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय (सीआरएसयू) में जो भी जरूरतें और खामियां हैं, उनका जल्द ही समाधान किया जाएगा। शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा बृहस्पतिवार को जींद सीआरएसयू के 12वें स्थापना समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। समारोह को संबोधित करते हुए शिक्षा मंत्री ने कहा कि स्थापना दिवस केवल किसी संस्थान की शुरुआत का उत्सव नहीं, बल्कि उसकी उपलब्धियों पर विचार करने और उज्ज्वल भविष्य के लिए दिशा तय करने का अवसर है। सीआरएयू युवाओं के भविष्य को संवारने और राष्ट्र एवं प्रदेश की प्रगति में योगदान देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

यह विश्वविद्यालय शिक्षा, संस्कृति, खेल, विज्ञान और परंपरा का जीवंत उदाहरण है। आने वाले समय में भारत सरकार और हरियाणा सरकार जैसी शिक्षा व्यवस्था की कल्पना कर रही है, आने वाले समय में यह विश्वविद्यालय उस कल्पना को पूर्ण करने में अग्रणी भूमिका निभाएगा। यह संस्थान शोध के क्षेत्र में वैश्विक स्तर की समस्याओं का समाधान प्रस्तुत करने वाली संस्था बनकर उभरेगा। शिक्षा मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लागू की गई नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भारत की शिक्षा प्रणाली को पुनर्परिभाषित कर रही है।

सीआरएसयू इस परिवर्तन की दिशा में एक सशक्त भागीदार बनेगा और विकसित भारत 2047 के सपने को साकार करने में अग्रणी भूमिका निभाएगा। समारोह की शुरुआत विश्वविद्यालय परिसर में चौधरी रणबीर सिंह की प्रतिमा एवं शहीद कैप्टन पवन कुमार स्मारक पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी गई और पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन हुआ।

इस मौके पर भाजपा के जिलाध्यक्ष तेजेंद्र ढुल, पूर्व चेयरमैन जवाहर सैनी समेत अन्य स्थानीय नेता मौजूद रहे।

जींद सीआरएसयू में बृहस्पतिवार को स्थापना दिवस समारोह में सहभागियों को पुरस्कृत करते हुए शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा। -हप्र

5 हजार से ज्यादा विद्यार्थी कर रहे शिक्षा अर्जित : वीसी

सीआरएसयू के वीसी प्रो. राम पाल सैनी ने बताया कि वर्ष 2014 में स्थापना के समय सीआरएसयू में 7 डिपार्टमेंट और केवल 4 शिक्षक थे। वर्तमान समय में विश्वविद्यालय में 28 विभाग और 44 प्रोग्राम हैं, जिसमें पाँच में शोध कार्यक्रम संचालित है। वर्ष 2014 में 500 विद्यार्थी से शुरुआत हुई और अब 5 हजार से भी ज्यादा विद्यार्थी यहां उच्च शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। जिसमें 70 प्रतिशत से ज्यादा छात्राएं शामिल हैं। चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के अंतर्गत कुल 156 महाविद्यालय हैं, जिसमें से 138 एजुकेशन कॉलेज और 18 डिग्री कॉलेज हैं जिनमें 35000 विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं।

हरिभूमि

Date: 25.07.2025

विवि के 12वें स्थापना दिवस कार्यक्रम में पहुंचे शिक्षामंत्री

विकसित भारत के सपने को साकार करने में अहम भूमिका निभाएगा सीआरएसयू : ढांडा

वर्ष 2014 में विवि के रूप में लगाया गया पौधा निरंतर प्रगति कर रहा: वीसी

सीआरएसयू जींद शिक्षा, संस्कृति, खेल, विज्ञान और परंपरा का जीवंत उदाहरण: शिक्षा मंत्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय (सीआरएसयू) ने वीरवार को अपने 12वें स्थापना दिवस के अवसर पर भव्य समारोह का आयोजन किया। इसमें शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा मुख्यअतिथि के रूप में शिरकत की। समारोह की शुरुआत विश्वविद्यालय परिसर में चौधरी रणबीर सिंह की प्रतिमा एवं शहीद कैप्टन पवन कुमार स्मारक पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी गई। इसके बाद पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन हुआ। मुख्य कार्यक्रम शैक्षणिक भवन सीवी रमन सभागार में हुआ। जिसकी शुरुआत दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना से हुई। विवि कुलगीत की प्रस्तुति के उपरांत कुलगुरु प्रो. डा. राम पाल सैनी ने मुख्य अतिथि को पुष्पगुच्छ देकर उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया। कार्यक्रम में विवि की यात्रा 2014-2025 पर आधारित विवि डॉक्यूमेंट्री की प्रस्तुति विवि जनसंपर्क निदेशालय द्वारा प्रस्तुत की। मुख्यअतिथि महिपाल ढांडा ने अपने संबोधन में कहा कि स्थापना दिवस केवल किसी संस्थान की शुरुआत का उत्सव नही बल्कि उसकी उपलब्धियों पर विचार करने और उज्जवल भविष्य के लिए दिशा तय करने का अवसर है। हरियाणा के शिक्षा मंत्री के रूप में मुझे इस बात पर गर्व है कि यह विश्वविद्यालय युवाओं के भविष्य को संवारने और राष्ट्र एवं प्रदेश की प्रगति में योगदान देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। सीआरएसयू जींद शिक्षा, संस्कृति, खेल, विज्ञान और परंपरा का जीवंत उदाहरण है। आने वाले समय में भारत सरकार और हरियाणा सरकार जैसी शिक्षा व्यवस्था की कल्पना कर रही हैं। उसमें यह विश्वविद्यालय प्रो रामपाल सैनी के नेतृत्व में एक अग्रणी भूमिका निभाएगा। यह संस्थान शोध के क्षेत्र में वैश्विक स्तर की समस्याओं का समाधान प्रस्तुत करने वाली संस्था बनकर उभरेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लागू की गई नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 भारत की शिक्षा प्रणाली को पुनर्परिभाषित कर रही है और मुझे पूरा विश्वास है कि यह विश्वविद्यालय इस परिवर्तन की दिशा में एक सशक्त भागीदार बनेगा। विकसित भारत 2047 के सपने को साकार करने में सीआरएसयू अग्रणी भूमिका निभाएगा।

जींद। स्थापना दिवस कार्यक्रम में मौजूद शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा।

सरकार ने जारी किया ये आदेश

कुलगुरु प्रो. डा. रामपाल सैनी ने अपने संबोधन में कहा कि वर्ष 2014 में इस विश्वविद्यालय के रूप में लगाया गया यह पौधा निरंतर प्रगति कर रहा है। विश्वविद्यालय 2014 में स्थापित हुआ उस समय यहां सात डिपार्टमेंट और केवल चार शिक्षक थे। वर्तमान समय में विश्वविद्यालय में 28 विभाग और 44 प्रोग्राम है जिसमें पांच में शोध कार्यक्रम संचालित है। 2014 में 500 विद्यार्थी से हुई शुरुआत अब पांच हजार से भी ज्यादा विद्यार्थी यहां उच्च शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं और जिसमें 70 प्रतिशत से ज्यादा छात्राएं संस्थान से ज्ञान अर्जित कर रही है। विश्वविद्यालय के अंतर्गत कुल 156 महाविद्यालय हैं। जिसमें से 138 एजुकेशन कॉलेज और 18 डिग्री कॉलेज हैं जिनमें 35 हजार विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। हमारे शिक्षकों एवं शोधार्थियों के द्वारा लिखे गए विभिन्न शोध पत्र अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय शोध प्रकाशनों में प्रकाशित हुए हैं। हमारे शिक्षकों ने 10 पेटेंट्स भी फाइल किए हैं। हमारे विश्वविद्यालय की प्राध्यापिका को 30 लाख रुपये की ग्रांट भारत सरकार से प्राप्त हुई है एवं उनका नाम विश्व के दो प्रतिशत साइंटिस्ट की सूची में है। विश्वविद्यालय खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में चौथे नंबर पर रहा और हरियाणा राज्य में तीसरा स्थान प्राप्त किया। हमारे खिलाड़ियों ने पांच भीम अवार्ड और एक अर्जुन अवार्ड अपने नाम किए हैं। हमारा युवा एवं सांस्कृतिक विभाग निदेशालय विद्यार्थियों को हरियाणा की सांस्कृतिक एवं ज्ञान परंपरा से रूबरू करवाने के लिए समय समय पर विभिन्न प्रतिस्पर्धाओं का आयोजन करता रहा है। हमारे 200 से अधिक विद्यार्थियों का चयन राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय कंपनियों में हुआ है।